समाचार

छ.ग. स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ

महासंघ के यांत्रिकी प्रकोष्ठ विंग का होगा गठन

(महासंघ के प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में लिया गया निर्णय)

कोरबा 16 जून 2017 –छ.ग. स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ के यांत्रिकी प्रकोष्ठ विंग का गठन किया जाएगा, 10 जून को पंचवटी विश्रामगृह कोरबा में छत्तीसगढ़ स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा उक्ताशय की घोषणा की गई।

छत्तीसगढ़ स्वायत्तशासी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष श्री अली बख्श ने बताया कि 10 जून 2017 को नगर पालिक निगम कोरबा के पंचवटी विश्रामगृह स्थित सभागार में महासंघ के प्रदेश पदाधिकारियों ने महासंघ की कोरबा इकाई के पदाधिकारियों व सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली तथा कर्मचारी व अधिकारियों के हितो से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होने बताया कि महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष जयनारायण श्रीवास्तव, महामंत्री विष्णु चन्द्रकार, कार्यकारी अध्यक्ष अली बख्श एवं संगठन मंत्री अमरनाथ दुबे की विशेष उपस्थिति में नगर पालिक निगम कोरबा इकाई की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री जयनारायण श्रीवास्तव ने महासंघ को मजबूती देने तथा इसका कार्य क्षेत्र और अधिक विस्तारित करने के मद्देनजर महासंघ के यांत्रिकी प्रकोष्ठ विग के गठन की घोषणा की तथा कहा कि शीघ्र ही विंग के प्रदेश कार्यकारणी की घोषणा की जाएगी। इस मौके पर निगम के सहायक अभियंता भूषण उरांव, लीलाधर पटेल, योगेन्द्र देवांगन, यशवंत जोगी, विमल गोयल, अभय मिंज, योगेश राठौर, विपिन मिश्रा, हरिशंकर साहू, रमेश सूर्यवंशी, महासंघ के जिलाध्यक्ष व्ही.के. सारस्वत, कोरबा इकाई के महामंत्री अरूण मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष आनंद दुबे, जी.एस.चंदेल, अरूण वर्मा आदि के महासंघ के अन्य पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित थे।

कर्मचारीहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा– बैठक के दौरान महासंघ के प्रदेश पदाधिकारियों ने कोरबा निगम इकाई के पदाधिकारियों के साथ कर्मचारी, अधिकारीहितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की, जिनमें 1997 के पश्चात दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को तदर्थ या नियमित किए जाने, अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों का त्वरित निराकरण किए जाने, सातवां वेतनमान लागू किए जाने, छठवां वेतनमान का एरियर्स, समान कार्य–समान वेतन, 1993 से कार्यरत पी.एच.ई. से हस्तातरित कर्मचारियों को कार्यरत पदों पर नियमितीकरण आदि सहित विभिन्न मुद्दे शामिल हैं।